Under CSR Support by ipca | Foundation
missiongyan
JINENDER SONI
Founder, MISSION GYAN

बहुविकल्पी प्रश्न

1. जब अपवाह की आकृति वृक्ष के समान हो जाती है तो अपवाह के प्रतिरूप को कहते हैं-

(अ) वृक्षाकार प्रतिरूप (ब) अभिकेंद्री अपवाह प्रतिरूप

(स) जालीनुमा प्रतिरूप (द) अरीय प्रतिरूप

2. डेल्टा का निर्माण कहां पर होता है?

(अ) वी आकार की घाटी पर (ब) नदी के मुहाने पर

(स) गोखुर झिलों के किनारे पर (द) उपरोक्त सभी स्थानों पर।

3. गंगा की सबसे पश्चिमी और सबसे लम्बी सहायक नदी कौन सी है-

(अ) यमुना (ब) गंडक

(स) कोसी (द) रामगंगा

4. निम्नलिखित में से कौन-सी नदी भ्रंश घाटी में बहती है?

(अ) लूनी (ब) यमुना

(स) नर्मदा (द) सोन

5. सुंदरवन डेल्टा किस नदी द्वारा बनाया गया है?

(अ) गंगा (ब) कृष्णा

(स) गोदावरी (द) कावेरी

6. निम्नलिखित में से कौन-सी नदी पंचनद में शामिल नहीं है?

(अ) चेनाब (ब) सिंधु

(स) झेलम (द) रावी

7. गंगा नदी के दाहिने किनारे पर आकर मिलने वाली नदी है-

(अ) गोमती नदी (ब) सोन नदी

(स) रामगंगा नदी (द) घाघरा नदी

8. अरब सागर में निम्नलिखित में से कौन-सी नदी गिरती है?

(अ) कृष्णा (ब) महानदी

(स) नर्मदा (द) कावेरी

9. प्रायद्वीपीय भारत का सबसे बड़ा नदी तंत्र कौन-सा है?

(अ) कृष्णा (ब) गोदावरी

(स) कावेरी (द) महानदी

मिशन ज्ञान
पढ़ें : जब चाहें, जहाँ चाहें, जैसे चाहें!
100% FREE!
Video COURSES | QUIZ | PDF | TEST SERIES

10. राज महल पहाड़ी और मेघालय पठार के मध्य स्थित गैप को क्या कहते है?

(अ) माल्दा गैप (ब) राज महल गैप

(स) गारो गैप (द) उपरोक्त सभी

रिक्त स्थान

11. नदियों के जलग्रहण क्षेत्र को अंग्रेजी में _____ कहते हैं।

12. भारत की 'दक्षिण की ओर बहने वाली' प्रमुख नदी _____ है।

सत्य/असत्य

13. ब्रह्मपुत्र नदी का उद्गम नेपाल में होता है।

14. 'द्राक्षाकार जल निकासी प्रणाली' को अंग्रेजी में Trellis Pattern कहा जाता है।

अति लघूत्तरात्मक प्रश्न

15. मुख्य अपवाह प्रतिरूप कौन-कौन से हैं?

16. अपवाह तंत्र की परिभाषा दीजिए।

लघूत्तरात्मक प्रश्न

17. महाखड्ड और भ्रंश घाटी में अंतर स्पष्ट करें।

18. सिंधु नदी के बारे में व्याख्या करें।

निबंधात्मक प्रश्न

19. भारत के रेखा-मानचित्र में निम्नलिखित नदियों को दर्शाएँ-

महानदी, कोसी नदी, यमुना नदी, ब्रह्मपुत्र नदी, नर्मदा नदी, तापी नदी, गोमती नदी, गंगा नदी, कावेरी नदी, कृष्णा नदी, चेनाब नदी।

20. प्रायद्वीपीय नदियों के तीन लक्षण लिखें।

HOTS

21. प्रायद्वीप की दो नदियों की प्रवाह प्रवृत्ति हिमालय की नदियों की तुलना में रोचक अंतर प्रस्तुत करती हैं, व्याख्या करें।

मिशन ज्ञान
पढ़ें: जब चाहें, जहाँ चाहें, जैसे चाहें!
100% FREE!
Video COURSES | QUIZ | PDF | TEST SERIES

Under CSR Support by ipca | Foundation
missiongyan
JINENDER SONI
Founder, MISSION GYAN

उत्तरमाला

1. (अ)

वृक्षाकार प्रतिरूप : चट्टानों की संरचना एक समान होती है तो इनका विकास होता है। इसमें मुख्य नदी वृक्ष के समान जबकि सहायक नदियाँ शाखाओं के समान होती है। उदाहरण- छोटानागपुर पठार एवं दक्षिण भारत की नदियाँ, गोदावरी, कृष्णा आदि। अपवाह तंत्र व अपवाह प्रतिरूप दीर्घकाल तक चलने वाली एक क्रमिक प्रक्रिया है।

2. (ब)

डेल्टा का निर्माण नदी की अंतिम अवस्था में उसके मुहाने पर होता है जब नदी किसी सागर में गिरती है तो उससे पहले वह एक डेल्टा का निर्माण करती है। संसार में ब्रह्मपुत्र नदी का डेल्टा सबसे प्रसिद्ध है जिसे हम सुंदर वन डेल्टा के नाम से जानते है।

3. (अ)

यमुना गंगा की सबसे प्रमुख सहायक नदी है जो हिमालय की बन्दरपूँछ चोटी के आधार पर यमुनोत्री हिमखण्ड से निकलती है।

4. (स) नर्मदा

5. (अ)

गंगा भारत और बांग्लादेश में कुल मिलाकर 2510 किलोमीटर (कि०मी०) की दूरी तय करती हुई उत्तराखण्ड में हिमालय से लेकर बंगाल की खाड़ी के सुन्दरवन तक विशाल भू-भाग को सींचती है। यह क्षेत्र मैन्ग्रोव के घने जंगलों से घिरा हुआ है और रॉयल बंगाल टाइगर का सबसे बड़ा संरक्षित क्षेत्र है।

6. (ब) सिंधु

7. (स)

सोन नदी गंगा के दाहिने किनारे पर आकर मिलती हैं अन्य 3 नदियां उसके बाएं तट पर आकर मिलती है।

8. (स)

नर्मदा का उद्गम मध्य प्रदेश में अमरकंटक पहाड़ी के निकट है। यह पश्चिम की ओर एक भ्रंश घाटी में बहती है। समुद्र तक पहुँचने के क्रम में यह नदी बहुत से दर्शनीय स्थलों का निर्माण करती है। तथा अंत में यह अरब सागर में गिरती है।

9. (ब)

गोदावरी दक्षिण भारत की सबसे बड़ी प्रायद्वीपीय नदी है। यह महाराष्ट्र के नासिक जिले में पश्चिम घाट की ढालों से निकलती है। इसकी लंबाई लगभग 1500 Km है। यह बहकर बंगाल की खाड़ी में गिरती है।

10. (द)

राज महल पहाड़ी और मेघालय पठार के मध्य स्थित गैप को उपरोक्त सभी नामों से जाना जाता है।

11. Catchment Area (कैचमेंट एरिया)

12. गोदावरी

13. असत्य

14. असत्य

15. अपवाह तन्त्र या प्रवाह प्रणाली किसी नदी तथा उसकी सहायक धाराओं द्वारा निर्मित जल प्रवाह की विशेष व्यवस्था है। यह एक तरह का जालतन्त्र या नेटवर्क है जिसमें नदियाँ एक दूसरे से मिलकर जल के एकदिशीय प्रवाह का मार्ग बनती हैं। मुख्य अपवाह प्रतिरूप :-

- प्रतिरूप
- अरीय प्रतिरूप
- जालीनुमा प्रतिरूप
- अभिकेंद्री प्रतिरूप

मिशन ज्ञान
पढ़ें जब चाहें, जहाँ चाहें, जैसे चाहें!
100% FREE!
VIDEO COURSES | QUIZ | PDF | TEST SERIES

16. अपवाह तन्त्र या प्रवाह प्रणाली किसी नदी तथा उसकी सहायक धाराओं द्वारा निर्मित जल प्रवाह की विशेष व्यवस्था है। यह एक तरह का जालतन्त्र या नेटवर्क है जिसमें नदियाँ एक दूसरे से मिलकर जल के एक दिशीय प्रवाह का मार्ग बनती हैं। किसी नदी में मिलने वाली सारी सहायक नदियाँ और उस नदी बेसिन के अन्य लक्षण मिलकर उस नदी का अपवाह तन्त्र बनाते हैं।

17. महाखड्ड और भ्रंश घाटी में अंतर-

महाखड्ड	भ्रंश घाटी
महाखड्डु' या गार्ज "वी" आकार की घाटी का ही विशिष्ट रूप हैं। इसके पार्श्व तीव्र तथा खडी दीवार के समान होते हैं।	भ्रंश घाटी का विकास तब होता है जब दो भ्रंश रेखाओं के बीच की चट्टानी स्तंभ नीचे की ओर धँस जाती है। जब तनावजनित बल के कारण दो भू-खंडों का विपरीत दिशा में खिसकाव होता है, तब इसका निर्माण होता है।
यह काफी गहरा होता है।	यह महाखड्ड से अपेक्षाकृत कम गहरी होती है।
इनकी रचना प्राय: कठोर शैलों युक्त क्षेत्र में होती हैं।	यह दो पर्वतों के बीच धँसी हुई संकीर्ण और दीर्घ घाटी होती है।

18. सिंधु नदी तंत्र विश्व के सबसे बड़े नदी द्रोणियों में से एक है, जिसका क्षेत्रफल 11 लाख 65 हजार वर्ग किलोमीटर है। भारत में इसका क्षेत्रफल 3,21,289 वर्ग कि.मी. है। इसकी कुल लम्बाई 2880 किलोमीटर है और भारत में इसकी लम्बाई 1114 किलोमीटर है। सिन्धु नदी एशिया की सबसे लंबी नदियों में से एक है। यह पाकिस्तान, भारत (जम्मू और कश्मीर) और चीन (पश्चिमी तिब्बत) के माध्यम से बहती है। सिन्धु नदी का उद्गम स्थल, तिब्बत के मानसरोवर के निकट सिन-का-बाब नामक जलधारा माना जाता है। इस नदी की लंबाई प्राय: 2880 किलोमीटर है। यहां से यह नदी तिब्बत और कश्मीर के बीच बहती है। नंगा पर्वत के उत्तरी भाग से घूम कर यह दक्षिण पश्चिम में पाकिस्तान के बीच से गुजरती है और फिर जाकर अरब सागर में मिलती है। इस नदी का ज्यादातर अंश पाकिस्तान में प्रवाहित होता है। यह पाकिस्तान की सबसे लंबी नदी और राष्ट्रीय नदी है। सिंधु की पांच उपनदियां हैं। इनके नाम हैं: वितस्ता, चन्द्रभागा, ईरावती, विपासा एंव शतदु. इनमें शतदु सबसे बड़ी उपनदी है। सतलुज शतद्रु नदी पर बना भाखड़ा नंगल बांध के द्वारा सिंचाई एवं विद्युत परियोजना को बहुत सहायता मिली है।

19.

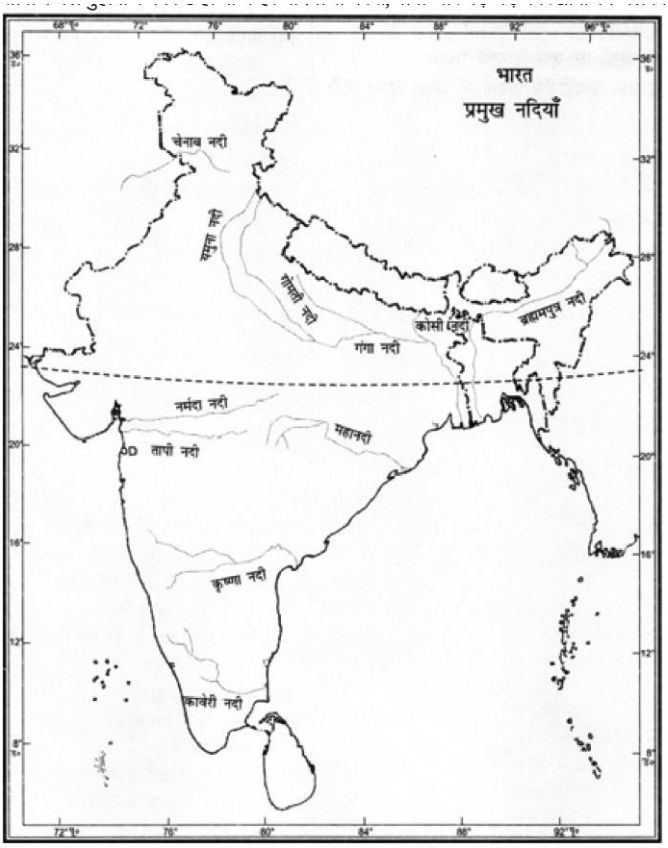

20. प्रायद्वीपीय नदियों के निम्नलिखित तीन लक्षण हैं-

i. प्रायद्वीपीय नदिया भारत की में समतल भागों से होकर नहीं बहती हैं, इसलिए इनसे नहरें नहीं निकाली जातीं।

ii. ये नदियों में सालों भर पानी नहीं रहता।

iii. ये नदियाँ टेढ़ी-मेढ़ी नहीं बहती अथति विसर्प नहीं बनातीं।

विज्ञान
पढ़ें: जब चाहें, जहाँ
100% FREE!
Video COURSES | QUIZ | PDF | TEST SERIES

21. प्रायद्वीपीय भारत में मुख्य जल विभाजक का निर्माण पश्चिमी घाट द्वारा होता है, जो पश्चिमी तट के निकट उत्तर से दक्षिण की ओर स्थित है। प्रायद्वीपीय भाग की अधिकतर मुख्य नदियाँ जैसे महानदी, गोदावरी, कृष्णा तथा कावेरी पूर्व की ओर बहती हैं तथा बंगाल की खाड़ी में गिरती हैं। प्रायद्वीप की दो नदियों की प्रवाह प्रवृत्ति हिमालय की नदियों की तुलना में रोचक अंतर प्रस्तुत करती है। नर्मदा नदी में जल विसर्जन का स्तर जनवरी से जुलाई माह तक बहुत कम रहता है, लेकिन अगस्त में इस नदी का जल प्रवाह अधिकतम हो जाता है तो यह अचानक उफान पर आ जाती है। गोदावरी में न्यूनतम जलप्रवाह मई में और अधिकतम जल प्रवाह जुलाई-अगस्त में होता है। अगस्त माह के पश्चात इनके जलप्रवाह में कमी आती है लेकिन फिर भी अक्टूबर और नवंबर में जलप्रवाह का आयतन जनवरी से मई तक के किसी भी माह के जलप्रवाह-आयतन की तुलना में अधिक रहता है।

मिशन ज्ञान
पढ़ें जब चाहें, जहाँ चाहें, जैसे चाहें!
100% FREE!
Video COURSES | QUIZ | PDF | TEST SERIES